बाईबल फॉर चिल्ड्रन
प्रस्तुत करता है

इंसान की मायूसी की शुरुआत

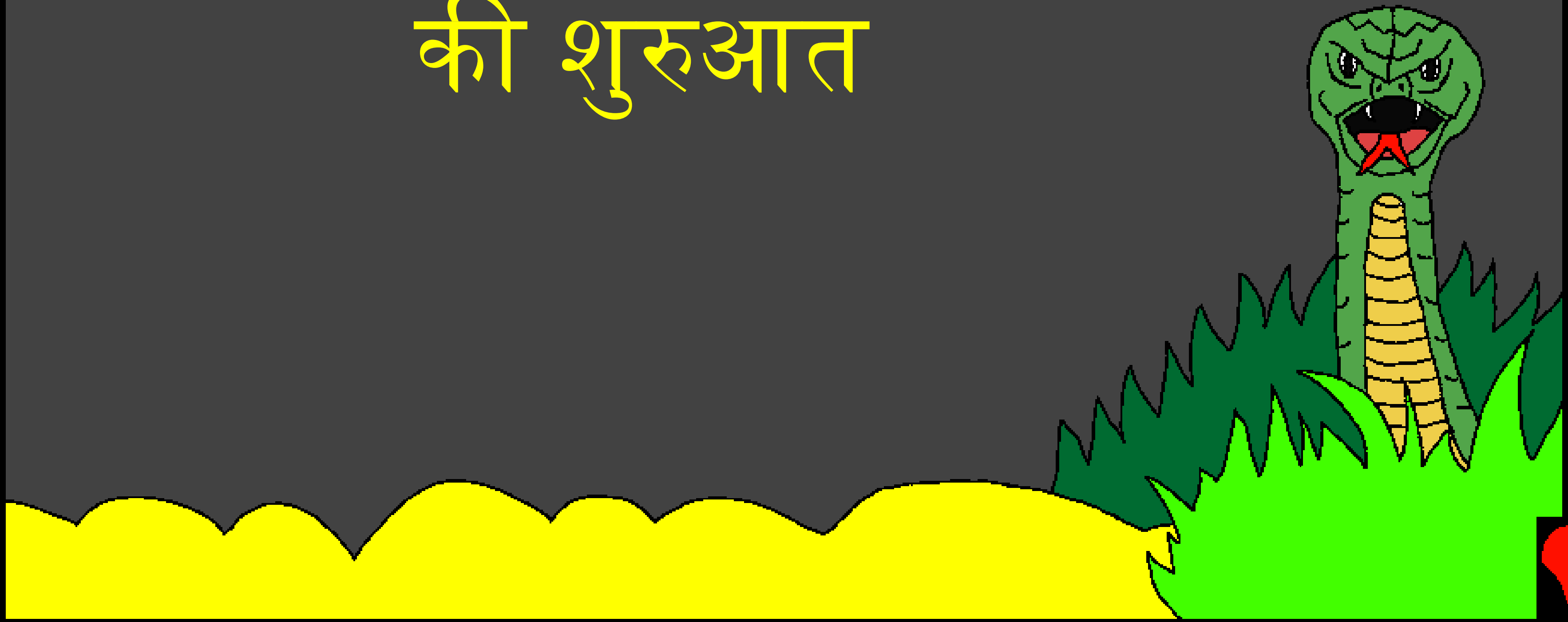

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याता: Byron Unger; Lazarus
Alastair Paterson

अनुकूलक: M. Maillot; Tammy S.

अनुवादक: christian-translation.com

निर्माता: Bible for Children
www.M1914.org

©2020 Bible for Children, Inc.
लाइसेंस: आपको इस कहानी की नक़ल बनाने या छापने का
अधिकार है, जब तक कि आप इसे बेचते नहीं हैं।

खुदा ने सबकुछ बनाया! जब खुदा ने पहला इंसान, आदम बनाया, तो वह अपनी बीवी, हव्वा के साथ अदन के बाग में रहता था। वे खुदा की आज्ञा मानने और उसकी मौजूदगी का आनंद लेने में पूरी तरह खुश थे उस एक दिन तक …।

"क्या खुदा ने तुम्हें
इस बाग़ के सारे पेड़ों का
फल न खाने ले लिए कहा
है?" साँप ने हव्वा से पूछा।
"हम एक को छोड़ सारे पेड़ों के फ़ल खा
सकते हैं," उसने जवाब दिया। "अगर हम
उस फल को खाते या छूते हैं,
तो हम मर जाएँगे।" "तुम
नहीं मरोगे," साँप बनावटी
मुस्कुराहट देते हुए बोला।

"तुम खुदा की तरह बन जाओगे ।" हव्वा उस पेड़ का फल चाहने लगी। उसने साँप की बात सुनी और फल खा लिया।

हव्वा ने खुदा का हुकुम न मानने के बाद आदम को भी फल खाने के लिए उकसाया। आदम को कहना चाहिए था, "नहीं! मैं खुदा की बात की नाफरमानी नहीं करूँगा।"

जब आदम और हव्वा ने पाप किया,
तो वे दोनों जान गए कि वे नंगे हैं। अंजीर के पत्तों
की सिलाई करके तहबंद बनाकर, उन्होंने खुद को
ढांक लिया और खुदा की हज़ूरी से झाड़ी में छिप गए।

शाम की ठंड में खुदा बगीचे में आया। वह जानता
था कि आदम और हव्वा ने क्या किया था। आदम ने
हव्वा को दोषी ठहराया। हव्वा ने साँप को दोषी
ठहराया। खुदा ने कहा, "साँप शापित है। औरत
को दर्द होगा जब उसके बच्चे पैदा होंगे।"
"आदम, क्योंकि तुने पाप किया, ज़मीन
कांटों और ऊंट कटारों से शापित है। रोज
का खाना पाने के लिए तुझे
मेहनत करनी पड़ेगी और
अपना पसीना बहाना
होगा।"

खुदा ने आदम और हव्वा को
अद्‌भुत बगीचे से बाहर कर
दिया। क्योंकि उन्होंने पाप
किया, उन्हें जीवन
देने वाले खुदा
से अलग कर
दिया गया!

खुदा ने उन्हें
बाहर रखने के लिए एक धधकती
तलवार बनाई। खुदा ने आदम
और हव्वा के लिए खाल
के अंगरखे बनाये।
खुदा ने खाल
कहाँ से ली?

समय के साथ, आदम और हव्वा का एक परिवार बन गया। उनका पहला बेटा, कैन एक माली था। उनका दूसरा बेटा, हाबिल एक चरवाहा था। एक दिन कैन खुदा के लिए उपहार के रूप में कुछ सब्जियाँ लेकर आया। हाबिल खुदा के लिए अपने उपहार के रूप में अपनी भेड़ों में से सबसे अच्छी लेकर आया। हाबिल के उपहार से खुदा खुश हुआ।

खुदा कैन के उपहार से खुश नहीं था। कैन को बहुत गुस्सा आया। लेकिन खुदा ने कहा, "अगर तु वह करे जो सही है, तो क्या तुझे ग्रहण नहीं किया जाएगा?"

कैन का गुस्सा दूर नहीं हुआ। कुछ समय बाद मैदान में उसने हाबिल पर हमला किया - और उसे मार डाला!

खुदा ने कैन से बात की। "तेरा भाई हाबिल कहाँ है?" "मुझे नहीं पता," कैन ने झूठ बोला। "क्या मैं अपने भाई का रखवाला हूँ?" खुदा ने कैन से उसकी खेती करने की क़ाबलियत वापस लेकर और उसे भगोड़ा बनाकर सजा दी।

कैन खुदा की हजूरी से बाहर चला गया। उसकी शादी आदम और हव्वा की एक बेटी से हुई थी। उन्होंने एक परिवार को बढ़ाया । जल्द ही, कैन के पोतों और परपोतों ने उस शहर को भर दिया, जिसे उसने स्थापित किया था।

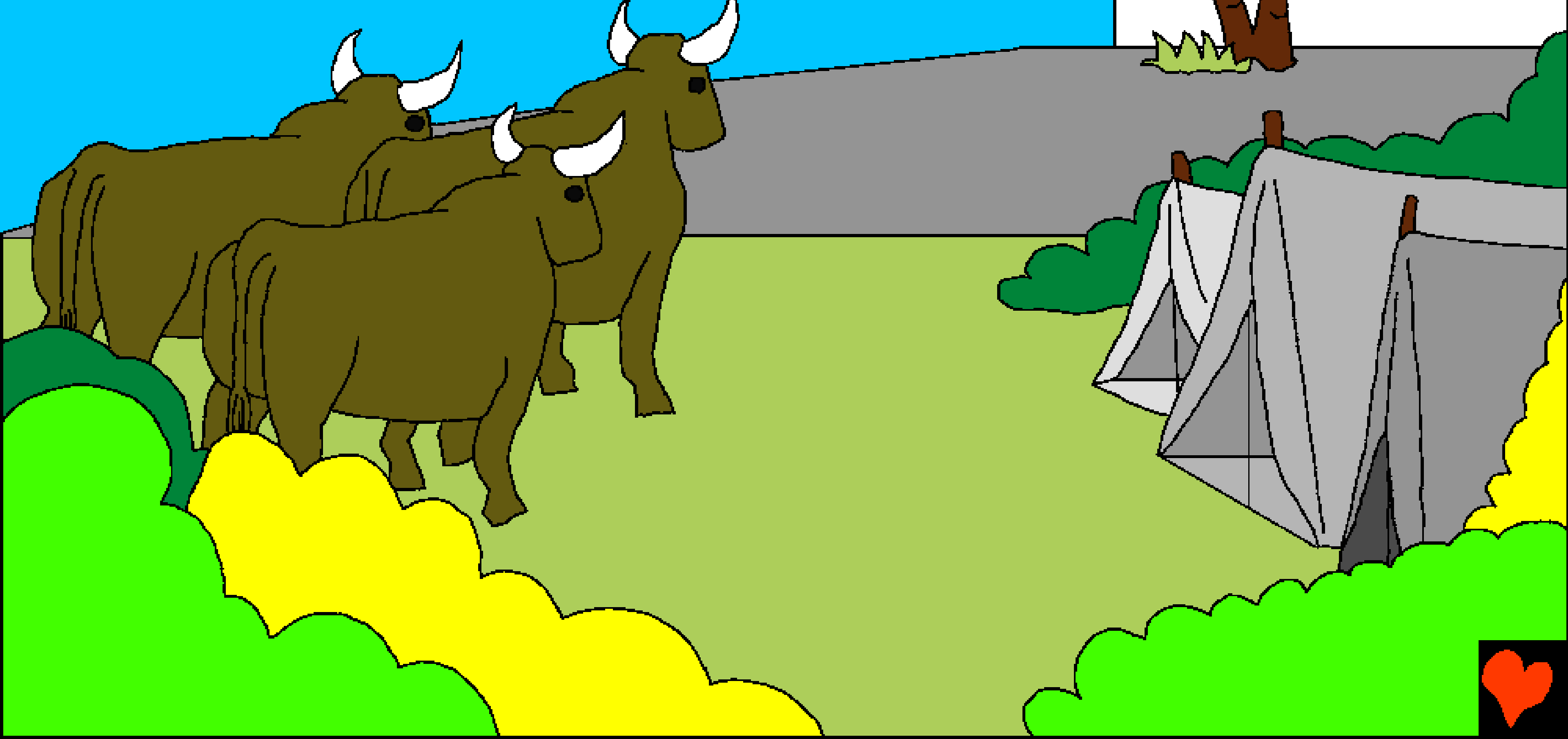

इस बीच, आदम और हव्वा का परिवार जल्दी से बढ़ गया। उन दिनों में, लोग आज की तुलना में ज्यादा लंबे समय तक जीते थे।

जब उसका बेटा शेत पैदा हुआ, तो हव्वा ने कहा, "खुदा ने मुझे हाबिल के बदले में शेत दिया।" शेत एक धर्मी इंसान था जो 912 वर्ष जीवित रहा और उसके कई बच्चे हुए।

दुनिया में, जब एक पीढ़ी दूसरी के पीछे चली तो लोग अधिक से अधिक दुष्ट बनते गए। अंत में, खुदा ने इंसानी जाति को ख़तम करने का फैसला किया और सभी जानवर और पक्षी। खुदा को इंसान बनाने पर अफ़सोस हुआ।
लेकिन एक आदमी ने खुदा को खुश किया …

यह आदमी नूह था। शेत के घराने में से एक, नूह
धर्मी और बेगुनाह था। वह खुदा के साथ चलता था।
उसने अपने तीनों बेटों को भी खुदा की आज्ञा
मानना सिखाया। अब खुदा ने बहुत ही
अजीब और खास तरीके से नूह
का इस्तेमाल करने की
तरक़ीब बनाई!

इंसान की मायूसी की शुरुआत

खुदा के कलाम, बाईबल में से कहानी

में मिलती है

उत्पत्ति **3-6**

“तेरी बातों के खुलने से प्रकाश होता है।”
भजन संहिता **119:130**

खतम

बाईबल की यह कहानी हमें हमारे अनोखे खुदा के बारे में
बताती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि तुम उसे जानों।

खुदा जानता है कि हमने बुरे काम किए हैं, जिसे वह गुनाह कहता है। गुनाह की सजा मौत है, लेकिन खुदा तुमसे बहुत मोहब्बत करता है, उसने अपने इकलौते बेटे यीशु को भेजा, सलीब पर मरने और तुम्हारे गुनाहों की सजा के लिए। फिर यीशु दोबारा ज़िंदा हो गया और अपने घर स्वर्ग वापस चला गया! यदि तुम यीशु पर ईमान लाते हो और उसे तुम्हारे गुनाहों को माफ़ करने के लिए कहते हो, तो वह ऐसा करेगा! वह अब आएगा और तुम में वास करेगा, और तुम हमेशा उसके साथ रहोगे।

यदि तुम्हें लगता है कि यह सच्चाई है, तो खुदा से यह कहो: प्यारे यीशु, मेरा ईमान है कि तु खुदा है, और मेरे गुनाहों के कारण मरने के लिए एक इंसान बन गया, और अब तु फिर से जिन्दा है। कृपया मेरे जीवन में आ जा और मेरे गुनाहों को माफ़ कर दे, ताकि मेरे पास अब नया जीवन हो और एक दिन हमेशा के लिए तेरे पास आ जाऊँ। तेरी बात मानने और तेरे बच्चे के जैसे तेरे लिए जीने में मेरी मदद कर। आमीन।

बाईबल पढ़ें और हर दिन खुदा के साथ बात करें! यहुन्ना 3:16